भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 04 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) अगले 3 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, आज 04 अगस्त को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।
ii) अगले 5 दिनों के दौरान तमिलनाडु और केरल में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है, 05 और 6 अगस्त को केरल और तमिलनाडु के घाट क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।
iii) अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 04 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ✓ बिहार और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- ✓ उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, केरल में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी हरियाणा, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, असम और मिजोरम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

  पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका हिमालय की तलहटी के पास से गुजरती है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर हिमाचल प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर हिमाचल प्रदेश और उससे सटे जम्मू संभाग में एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ देखा जा रहा है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश से पूर्वी उत्तर प्रदेश होते हुए उत्तर-पूर्व बिहार तक एक द्रोणिका बनी हुई है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी तमिलनाडु तट से दूर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण-आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु होते हुए पूर्व-मध्य अरब सागर के दक्षिणी भागों से मध्य बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी भागों तक लगभग अक्षांश 12°N पर एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका बनी हुई है।
- ✓ 08 अगस्त, 2025 के आसपास दक्षिणी बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 04 अगस्त को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।
- उत्तराखंड में 04 से 10 अगस्त तक; हिमाचल प्रदेश में 04 से 08 अगस्त तक; जम्मू-कश्मीर, पंजाब में 04 और 05 अगस्त को; हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 04 से 06 अगस्त तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 04 और 05 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 04 और 05 अगस्त को; उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में 05 अगस्त को बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई स्थानों पर और मैदानी इलाकों में कुछ/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में 04 से 09 अगस्त तक; ओडिशा में 06 और 07 अगस्त को; गंगा के किनारे पश्चिम बंगाल में 04, 06 और 07 अगस्त को; झारखंड में 07 और 08 अगस्त को; उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश में 04 और 05 अगस्त को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 04 अगस्त को और छत्तीसगढ़ में 08 से 10 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। बिहार में 04 और 05 अगस्त को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 04 और 07 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 04 से 10 अगस्त तक; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 04 से 08 अगस्त तक कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 04 और 07 से 10 अगस्त तक; असम और मेघालय में 04, 07 और 08 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है। ।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- केरल और तमिलनाडु के घाट क्षेत्रों में 05 और 06 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।
- तमिलनाडु, केरल और माहे, तटीय और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 04 से 08 अगस्त तक; लक्षद्वीप में 04 से 06 अगस्त तक; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 06 से 08 अगस्त तक; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 04 से 07 अगस्त तक; रायलसीमा में 04 से 10 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, केरल में 04 और 07 अगस्त को; तटीय और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 04 से 06 अगस्त तक; रायलसीमा में 05 अगस्त को बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 3 दिनों तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज सतही हवाएं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा) की संभावना है।
- तमिलनाडु, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में अगले 5 दिनों तक कुछ/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- मराठवाड़ा में 06 और 07 अगस्त को; कोंकण और गोवा में 07 और 08 अगस्त को और मध्य महाराष्ट्र में 08 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5-6 दिनों तक क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को 04 अगस्त से 09 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- केरल, कर्नाटक तट के साथ और उससे सटे क्षेत्र, लक्षद्वीप क्षेत्र, कोमोरिन और मालदीव और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 04 से 08 अगस्त तक; दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्सों में 05 अगस्त को; दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर के कई हिस्सों में सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 04 से 09 अगस्त तक; दक्षिण ओमान और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 05, 07 और 08 अगस्त तक न जाएं।

बंगाल की खाड़ी:

- दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी में 04 से 09 अगस्त तक; और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 06 अगस्त तक न जाएं।

ii. 04 से 07 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **बिहार:** पूर्णिया (जिला पूर्णिया) 27, हायाघाट (जिला दरभंगा) 16, रुन्नीसैदपुर (जिला सीतामढी) 14, शिवहर (जिला शिवहर) 13, बेतिया (जिला पश्चिमी चंपारण) 13, पूर्णहिया (जिला शिवहर) 12, ढेंगब्रिज (जिला सीतामढी) 12, सिकटा (जिला पश्चिमी चंपारण) 12, पिपराही (जिला) शिवहर) 12, ढाका (जिला पूर्वी चंपारण) 11, वारिसनगर (जिला समस्तीपुर) 11, चटिया (जिला पूर्वी चंपारण) 11, भगवानपुर (जिला वैशाली) 11, कुरसेला (जिला कटिहार) 11, भगवानपुर हाट (जिला सिवान) 11, रोसरा (जिला समस्तीपुर) 10, बसंतपुर (जिला सिवान) 10, महुआ (जिला वैशाली) 9, गोरियाकोठी (जिला सीवान) 9, बैरगनिया (जिला सीतामढी) 9, कटिहार (जिला कटिहार) 9, चेहरा कला (जिला वैशाली) 9, कृत्यानंद नगर (जिला पूर्णिया) 9, दानापुर (जिला पटना) 9, अरेराज (जिला पूर्वी चंपारण) 9, हरसिद्धि (जिला पूर्वी चंपारण) 9, कल्याणपुर (जिला समस्तीपुर) 9, बनमनखी (जिला पूर्णिया) 9, खानपुर (जिला समस्तीपुर) 9, कुरहनी (जिला मुजफ्फरपुर) 9; कोरहा (जिला कटिहार) 8, समस्तीपुर (जिला समस्तीपुर) 8, कुशेश्वरस्थान (जिला दरभंगा) 8, पातेपुर (जिला वैशाली) 8, गोरौल/डोली (जिला वैशाली) 8, बंदरा (जिला मुजफ्फरपुर) 8, ठाकुरगंज (जिला किशनगंज) 7, आदापुर (जिला पूर्वी चंपारण) 7, उजियारपुर (जिला समस्तीपुर) 7, संपतचक (जिला पटना) 7, संग्रामपुर (जिला पूर्वी) चंपारण) 7, अललनगर (जिला मधेपुरा) 7, ढेंगराघाट (जिला पूर्णिया) 7, जलालगढ़ (जिला पूर्णिया) 7, कल्याणपुर (जिला पूर्वी चंपारण) 7, खैरा (जिला जमुई) 7, नौबतपुर (जिला पटना) 7, किशनगंज (जिला किशनगंज) 7, सुगौली (जिला पूर्वी चंपारण) 7, कसबा (जिला पूर्णिया) 7, हाजीपुर (जिला वैशाली) 7, सोनबरसा (जिला सहरसा) 7, लकरी नबीगंज (जिला सीवान) 7, श्रीनगर (जिला पूर्णिया) 7, बिहटा (जिला पटना) 7, परसा (जिला सारण) 7, चकिया (जिला पूर्वी चंपारण) 7;
- **असम और मेघालय:** चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 20; चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 17; भागमारा (जिला दक्षिण गारो हिल्स) 15; शेल्ला (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 13; करीमगंज (जिला श्रीभूमि), मासिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स), विलियमनगर (जिला पूर्वी गारो हिल्स) 11 प्रत्येक; काजोलगांव एडब्ल्यूएस (जिला चिरांग) 9; मावफलांग (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 8; मावकिरवाट (जिला दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स), ढेकियाजुली एआरजी (जिला सोनितपुर), ढेकियाजुली (जिला सोनितपुर) 7 प्रत्येक;

- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: रायबरेली सीडब्ल्यूसी (जिला रायबरेली) 20; अयोध्या (जिला अयोध्या) 15; राम सनेही घाट तहसील (जिला बाराबंकी) 14; महसी (जिला बहराईच), उस्का बाजार एफएमओ (जिला सिद्धार्थ नगर) 11 प्रत्येक; फुरसतगंज (जिला अमेठी), टांडा (जिला अंबेडकर नगर), मुहम्मदी (जिला खीरी), काकरधारीघाट (जिला श्रावस्ती), नीमसार (जिला सीतापुर), मानिकपुर (जिला चित्रकूट) 10 प्रत्येक; मुखलिसपुर (जिला संत कबीर नगर), कर्नलगंज (जिला गोंडा), हैदरगढ़ (जिला बाराबंकी), त्रिमोहानी घाट एफएमओ (जिला महराजगंज), मोहम्मदाबाद (वाई) (जिला गाजीपुर), संडीला (जिला हरदोई), हाटा (जिला कुशी नगर), लखनऊ (एपी) (जिला लखनऊ), मलिहाबाद (जिला लखनऊ), पट्टी (जिला प्रतापगढ़), भटपुरवाघाट (जिला सीतापुर) 9 प्रत्येक; भानपुर (जिला बस्ती), लालगंज आरा (जिला प्रतापगढ़), कैसरगंज (जिला बहराइच), मनकापुर (जिला गोंडा), चंद्रदीपघाट (जिला गोरखपुर), कुंडा (जिला प्रतापगढ़), राजापुर (जिला चित्रकूट) 8 प्रत्येक; लखनऊ (एचएस) (जिला लखनऊ), लखनऊ (सीआर) (जिला लखनऊ), नवाबगंज तहसील (जिला बाराबंकी), रुधौली (जिला बस्ती), लंभुआ (जिला सुल्तानपुर), तुर्तीपार (जिला बलिया), बलरामपुर (जिला बलरामपुर), बारा बांकी (जिला बाराबंकी), अयोध्या (एजी) (जिला अयोध्या), जौनपुर सीडब्ल्यूसी (जिला जौनपुर), कानपुर आईएएफ (जिला कानपुर सिटी) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: बदायूँ (जिला बदायूँ) 19; सहसवान (जिला बदायूँ) 13; गुन्नौर (जिला संभल), मुरादाबाद सीडब्ल्यूसी (जिला मुरादाबाद), संभल (जिला संभल) 12 प्रत्येक; सहारनपुर (जिला सहारनपुर) 11; बिजनोर (जिला बिजनोर), धामपुर (जिला बिजनोर), मोरादाबाद (जिला मोरादाबाद) 10 प्रत्येक; चांदपुर (जिला बिजनोर), बरेली पीबीओ (जिला बरेली), बिलारी (जिला मुरादाबाद) 9 प्रत्येक; मोरादाबाद (जिला मोरादाबाद), जानसठ (जिला मुजफ्फरनगर), दातागंज (जिला बदायूँ), नजीबाबाद (टी) (जिला बिजनोर), अमरोहा (जिला अमरोहा) 8 प्रत्येक; बिसौली (जिला बदायूँ), अनूपशहर (जिला बुलन्दशहर), नरौरा (जिला बुलन्दशहर), हसनपुर (जिला अमरोहा) 7 प्रत्येक;
- **उत्तराखंड**: कोटद्वार (जिला गढ़वाल पौडी) 17; सामा (जिला बागेश्वर), लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 14 प्रत्येक; हलद्वानी (जिला नैनीताल) 13; नरेन्द्रनगर (जिला गढ़वाल टेहरी) 11; हरद्वार (जिला हरद्वार) 10; चमोली (जिला चमोली), ऋषिकेश (जिला देहरादून) 9 प्रत्येक; लैंडस्डाउन (जिला गढ़वाल पौडी), देहरादून (जिला देहरादून) 8 प्रत्येक; मुनस्यारी (जिला पिथौरागढ), भगवानपुर (जिला हरद्वार), डीडीहाट (जिला पिथौरागढ) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: त्योंथर (जिला रीवा) 13; सिंगरौली-एडब्ल्यूएस (जिला सिंगरौली) 7;
- **केरल और माहे**: थोडुपुझा (जिला इडुक्की) 13; अथिराप्पल्ली एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर) 12; कंजिराप्पल्ली (जिला कोट्टायम) 10; उडुंबन्नूर एडब्ल्यूएस (जिला इडुक्की) 9; मंगलम बांध एडब्ल्यूएस (जिला पलक्कड़) 8; विट्टिरी (जिला वायनाड), परुम्बिकुलम (जिला पलक्कड़), रन्नी एडब्ल्यूएस (जिला पथानामथिट्टा), पालोड एडब्ल्यूएस (जिला तिरुवनंतपुरम), कुप्पाडी एडब्ल्यूएस (जिला वायनाड) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: गुडुर्गल (जिला महबुबाबाद) 11; नरसंपेट (जिला वारंगल), येल्लांडु (जिला बी. कोठागुडेम) 9 प्रत्येक; कुसुमंची (जिला खम्मम) 8; चेन्नारावपेट (जिला वारंगल), चौटुप्पल (एआरजी) (जिला वाई. भुवनागिरी) 7 प्रत्येक;
- **छत्तीसगढ़**:बलरामपुर (जिला बलरामपुर), कुसमी (जिला बलरामपुर) 11 प्रत्येक;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यनम**: सीतानगरम (जिला पार्वतीपुरम मान्यम) 10;
- **ओडिशा**: राजकनिका (जिला केंद्रपाड़ा), औल (जिला केंद्रपाड़ा) 10 प्रत्येक;
- गांगेय पश्चिम बंगाल: कल्याणी स्मो (जिला नादिया), कोंटाई (जिला पूर्वी मिदनापुर) 10 प्रत्येक;
- अरुणाचल प्रदेश: रोइंग (जिला निचली दिबांग घाटी) 9;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक:** रायलपाडु (जिला कोलार) 9; अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7;
- **हिमाचल प्रदेश:** कसौली (जिला सोलन) 8;
- **हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली**: जगाधरी (जिला यमुनानगर), मोरनी (जिला पंचकुला) 8 प्रत्येक; सरस्वती नगर (जिला यमुनानगर) 7;
- **उप हिमालय पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: माथाभांगा (जिला कूच बिहार), मेखलीगंज (जिला कूच बिहार) 8 प्रत्येक;
- **तमिलनाडु**, पुडुचेरी और कराईकल: तांबरम (जिला चेंगलपट्टू) 7.

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	4- Aug	5- Aug	6- Aug	7- Aug	8- Aug	9- Aug	10- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	FWS	WS	WS	SCT	SCT
8	JHARKHAND	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	FWS	ISOL	SCT	SCT	FWS
14	PUNJAB	SCT	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

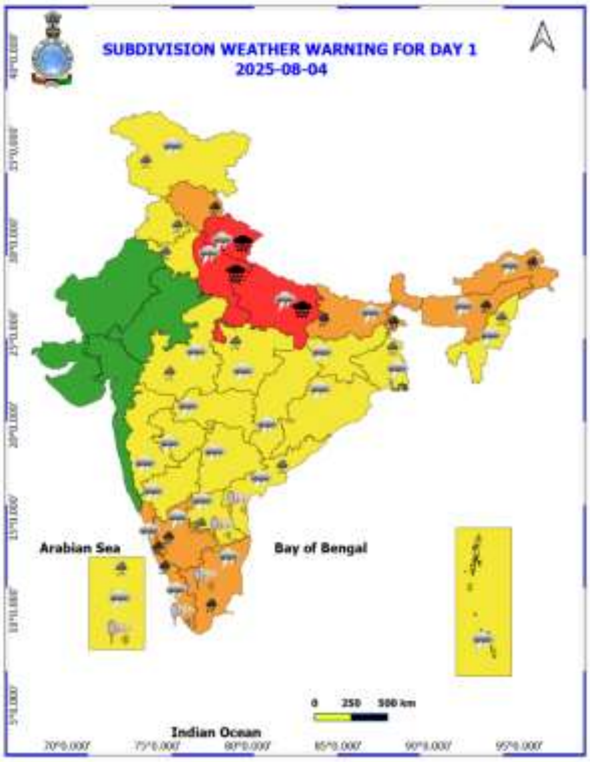
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

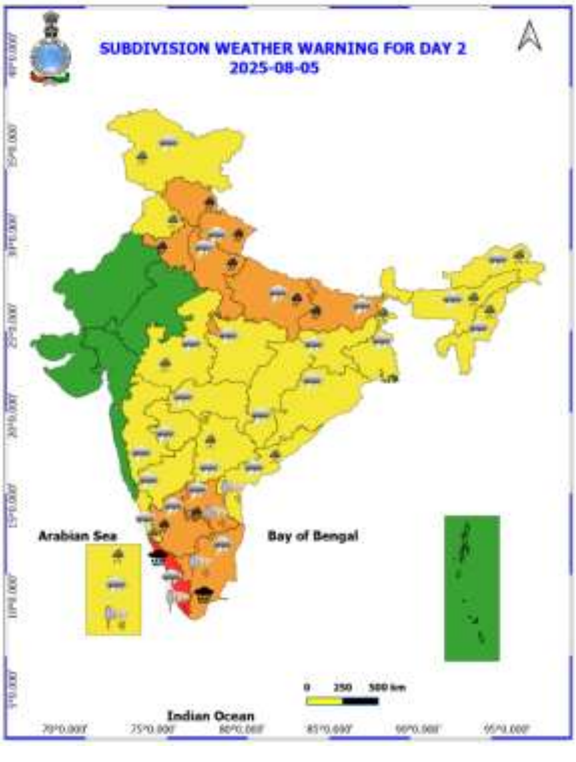
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-05
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

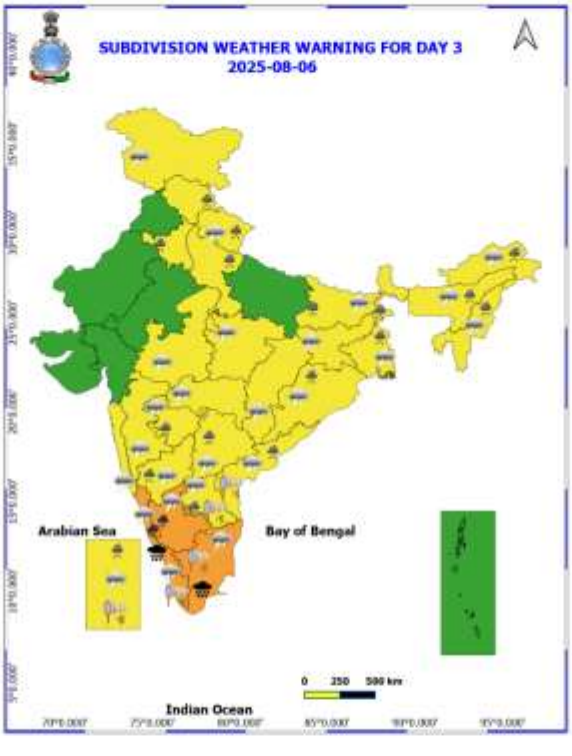
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-06
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

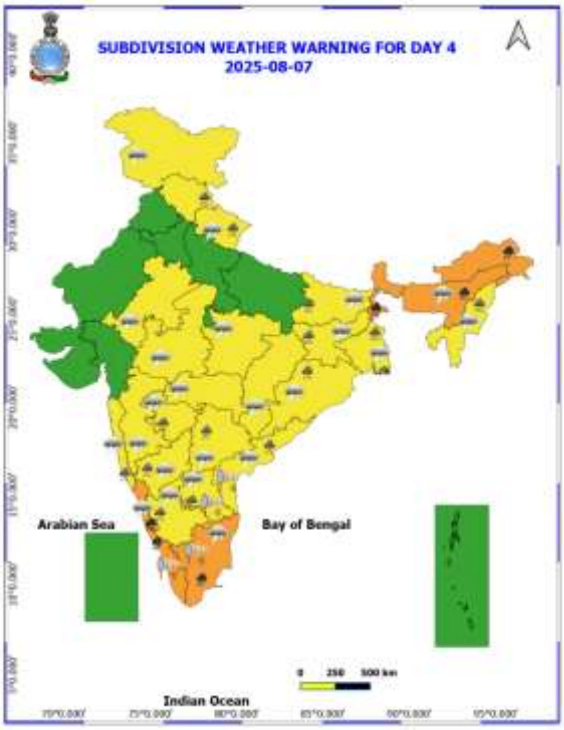

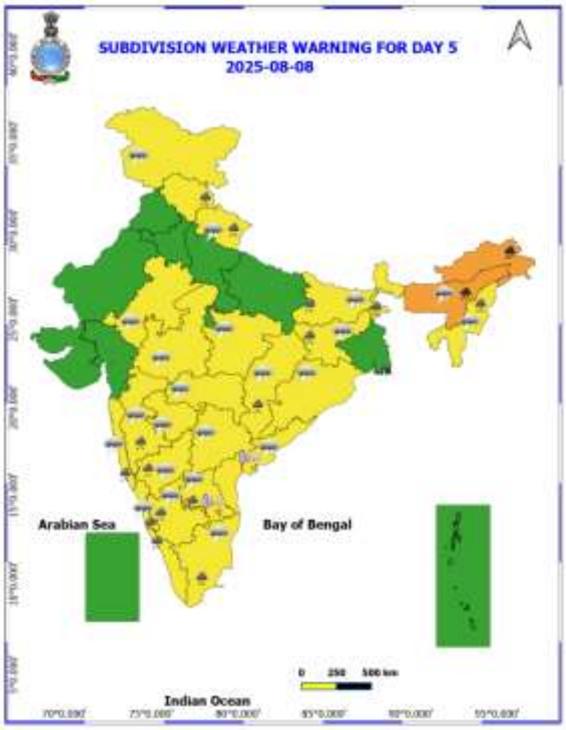

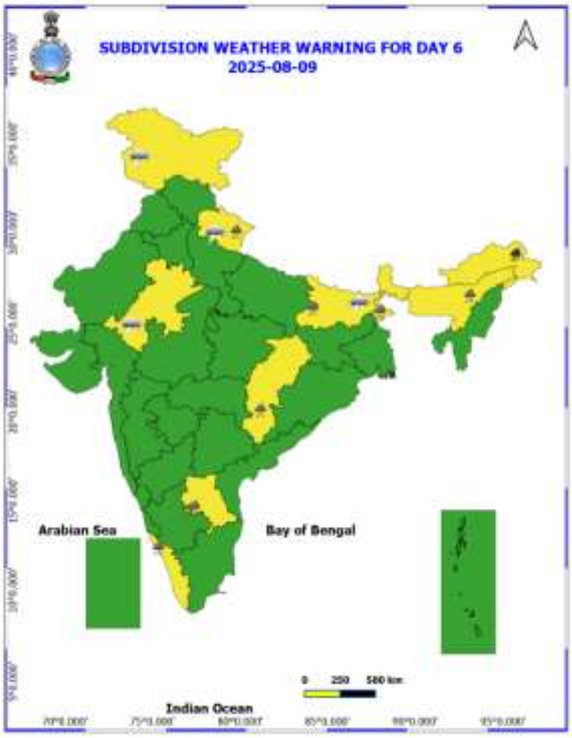

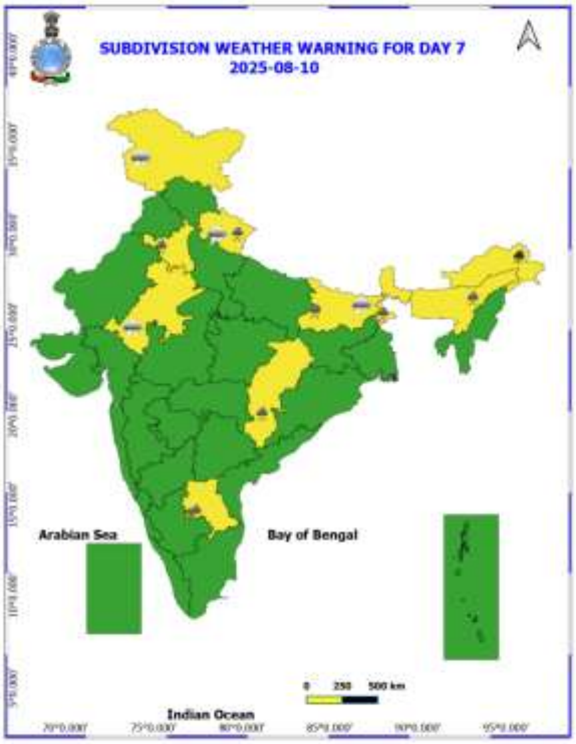

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 04 से 07 अगस्त 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

दिल्ली/एनसीआर में पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2-3°C की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 33 से 34°C और न्यूनतम तापमान लगभग 26 से 27°C के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहा। आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से लगभग 16 किमी प्रति घंटा की गति से सतही हवाएं चलीं। आज पूर्वाह्न में भी क्षेत्र में सामान्य रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटा से कम गति की हवाएं चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

04.08.2025: आम तौर पर आकाश में बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के दौरान बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। दोपहर में सतही हवाएं मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व होगी और गति 10-15 किमी प्रति घंटा बनी रहेगी।

05.08.2025: आम तौर पर आकाश में बादल छाए रहेंगे। तड़के/प्रातःकाल में बहुत हल्की से हल्की वर्षा की संभावना है। दोपहर/शाम के दौरान कई स्थानों पर एक या दो बार हल्की से मध्यम वर्षा/गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 33°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C तक कम और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 3°C तक कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाएं 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर में हवाओं की गति बढ़कर 12-18 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 05-10 किमी प्रति घंटा रह जाएगी।

06.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवाएं 05-10 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर में हवाओं की गति बढ़कर 08-12 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की दिशा पूर्वी होगी और गति घटकर 05-10 किमी प्रति घंटा रह जाएगी।

07.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ बौछारों की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35°C और न्यूनतम तापमान 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C तक कम रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवाएं 05-10 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर में हवाओं की गति बढ़कर 10-15 किमी प्रति घंटा हो जाएगी और दिशा दक्षिणी होगी। शाम और रात के समय हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी।

हल्की से मध्यम वर्षा और गरज-चमक के साथ बारिश के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न

लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 04 अगस्त को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में; 05 और 06 अगस्त को तमिलनाडु और केरल के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 04 और 05 अगस्त को बिहार, हिमाचल प्रदेश में; 04 और 07 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 05 अगस्त को उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में; 04 और 07-10 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 04, 07 और 08 अगस्त को असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **उत्तर प्रदेश** में, **बुन्देलखण्ड क्षेत्र** में अरहर, मिर्च एवं प्याज की बुवाई तथा केले एवं पपीते की रोपाई स्थगित कर दें तथा खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी हेतु आवश्यक प्रबन्ध करें। **दक्षिण-पश्चिमी अर्ध-शुष्क क्षेत्र** में शरदकालीन गन्ना, वसंत गन्ना, धान, अरहर, मक्का, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों में तथा **पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में अरहर, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, मूंग, उड़द और बाजरा के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- ➢ **उत्तराखंड** में, जलभराव से बचाव हेतु, **भाबर और तराई क्षेत्र** में धान, गन्ना, मक्का, उड़द, मूंग, सोयाबीन और सब्जियों की फसलों में तथा **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में बाजरा, रागी, मूंग और उड़द की फसलों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। **नैनीताल जिले** में मूंग और सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, सतही जल के बहाव को रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत करें। अत्यधिक गीली मिट्टी की स्थिति में मटर की बुवाई स्थगित करें। फसल के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- ➢ **हिमाचल प्रदेश** में, **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में भारी वर्षा से होने वाले नुकसान को रोकने हेतु फूलगोभी की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें। **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में सब्जियों के खेतों में, **उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में तथा **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में राजमा, रागी, खीरा और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ रखें।

- **अरुणाचल प्रदेश** में, भारी बारिश बंद होने तक सभी फसलों की नई बुवाई स्थगित कर दें। भारी बारिश के दौरान निचले इलाकों में धान की नई रोपाई न करें। बारिश के प्रतिकूल प्रभाव से बचाव हेतु धान के खेतों को सूखे पत्तों या पुआल जैसी प्राकृतिक गीली घास से ढक दें। धान, मक्का, रागी, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भारी बारिश के दौरान फलदार पौधों को झुकने या टूटने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत सहारा प्रदान करें।
- **असम** में, **कोकराझार** और **बोंगाईगांव जिलों** में भारी बारिश रुकने तक तिल, मूंग और अरहर की बुवाई स्थगित रखें। **मध्य ब्रहमपुत्र घाटी क्षेत्र** में, परिपक्व जूट की तुरंत कटाई करें और कटी हुई फसल के गट्ठरों को दूषित पानी में सड़ने से बचाने हेतु ऊँची भूमि या शेड में रखें। भारी वर्षा के दौरान तिल की बुवाई न करें। जलभराव से बचाव हेतु, **निचले ब्रहमपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान, मूंग और अरहर के खेतों में; **मध्य ब्रहमपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान, हल्दी और पहले से बोए गए तिल के खेतों में; **पहाड़ी क्षेत्र** में धान और तिल के खेतों में तथा **उत्तरी तट मैदानी क्षेत्र, ऊपरी ब्रहमपुत्र घाटी क्षेत्र** एवं **बराक घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **मेघालय** में, भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई न करें। धान, मक्का, हल्दी, मिर्च, भिंडी और करेले के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। केला, पपीता, लौकी आदि जैसी लंबी और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से और **तराई क्षेत्र** में अमन धान एवं सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **तराई क्षेत्र** में मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु उन्हें प्लास्टिक से ढक दें।
- **बिहार** में, **दक्षिण बिहार के जलोढ़ क्षेत्र** के निचले इलाकों में मक्का, सब्ज़ियों, रागी, कोदो, सावा आदि फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और खेत की मेड़ों को मज़बूत करें। **उत्तर-पूर्वी जलोढ़ क्षेत्र** में मक्का के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें तथा रागी, कोदो, सावा, चीना आदि फसलों के खेतों में वर्षा जल जमा न होने दें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। केले के बागानों को सहारा दें। सब्ज़ियों के पंडालों को मज़बूत बनाएँ।
- **तमिलनाडु** में, गन्ने और केले के पौधों को गिरने से बचाने हेतु उन्हें सहारा प्रदान करें। **उत्तर-पूर्वी क्षेत्र** में धान की नर्सरी एवं **कावेरी डेल्टा क्षेत्र** में खड़ी फ़सल के खेतों में उचित जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- **कर्नाटक** में, **तटीय क्षेत्र** में सुपारी और केले के बागानों में; **पहाड़ी क्षेत्र** में मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों में तथा **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में सुपारी और नारियल के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

05-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर जिले।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

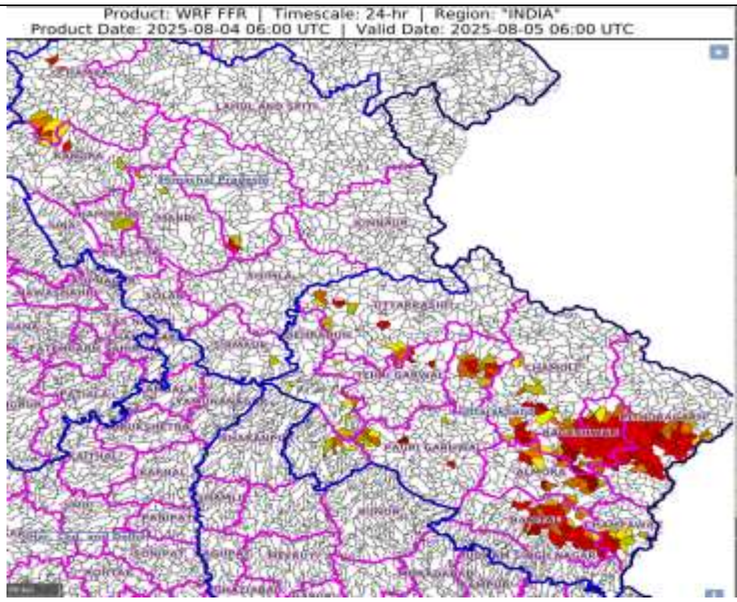

05-08-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

अरुणाचल प्रदेश - पूर्वी कामेंग, पूर्वी सियांग, निचला सुबनसिरी, ऊपरी सुबनसिरी, पापुम-पारे, तिराप, चांगलांग, पश्चिमी कामेंग, पश्चिमी सियांग, ऊपरी सियांग और कुरुंग कुमेय जिले।

असम और मेघालय - बारपेटा, बोंगाईगांव, कछार, चिरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलपारा, कोकराझार, लखीमपुर, एन.सी हिल्स, सिबसागर, सोनितपुर, करीमगंज, पूर्वी गारो हिल्स, पूर्वी खासी हिल्स, दक्षिण गारो हिल्स, पश्चिम गारो हिल्स, पश्चिम खासी हिल्स, धुबरी और जैन्तिया हिल्स जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

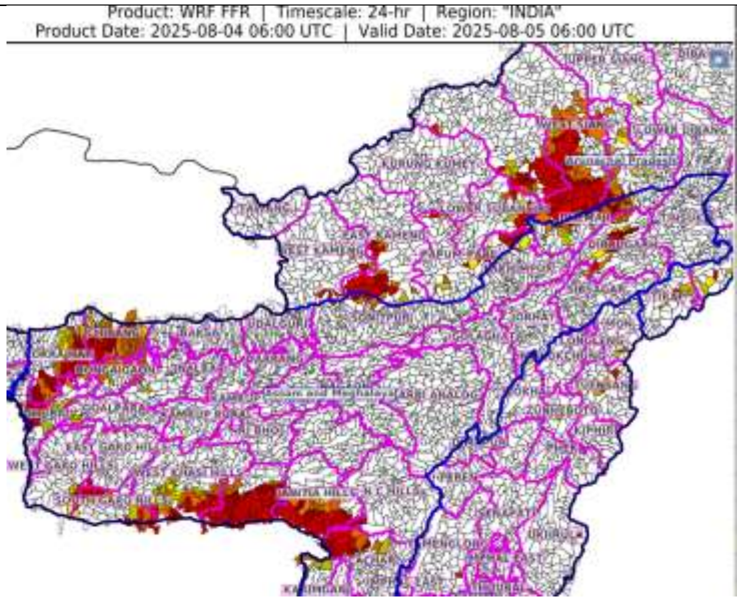

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

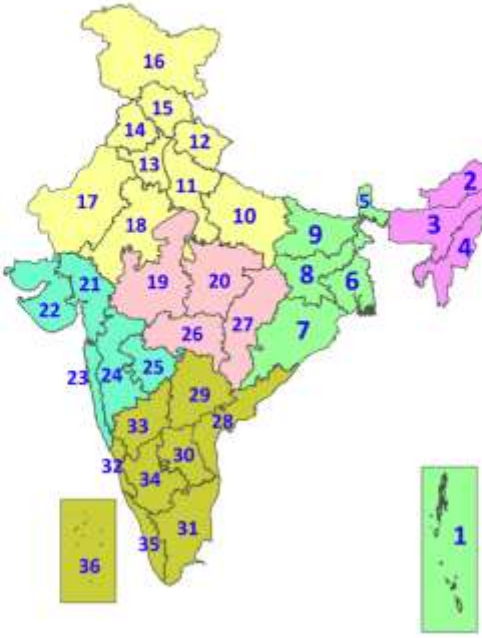

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)